अंक - 1

जनवरी-मार्च , 2025

ई - पत्रिका

सन 1989

दिग्दर्शिका

पुनर्वास एवं अनुसन्धान संस्थान

भोपाल, मध्य प्रदेश

www.digdarshika.com

दिग्दर्शिका : परिचय

दिग्दर्शिका, अंधकार से प्रकाश की ओर, मानसिक अस्वस्थता से स्वस्थता की ओर जाने वाली, अनवरत, प्रगतिशील, पथ प्रदर्शिका, रॉय दम्पति की कल्पनाओं और सद्इच्छाओं का साकार रूप है ।

दिग्दर्शिका की स्थापना फरवरी 1989 में हुई। दिग्दर्शिका विगत 35 वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य एवं बौद्धिक दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही है । जीवन का दर्शन, इस दिग्दर्शिका के काले - सफेद अर्ध गोलाकार आकृति यिन - यांग की अवधारणा पर आधारित है, जिसे चीन की पौराणिक किताबों से, अपने प्रतीक के रूप में है । यह प्रतीक दर्शाता हैं कि, प्रकाश और अंधकार सदैव के लिये नहीं रहते, घोर अंधकार के गर्भ में एक नन्हा प्रकाश पुंज विद्यमान रहता है, ठीक इसके विपरीत चौंधिया देने वाले प्रकाश के गर्भ में अंधकार एकल होता है। इनके बीच निरंतर तारतम्यता बनी रहती है, जो एक दूसरे के अस्तित्व और महत्व को बनाए रखते हैं । व्यक्ति जिनमें मानसिक अक्षमता, अस्वस्थता एवं अन्य संबंधित अवस्थाएँ हैं, उनके लिए बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करना । दिग्दर्शिका का मानना है कि किसी भी विस्तृत उद्देश्य को पूरा करने के लिये यह आवश्यक नही है, कि हम स्वयं ही सभी जगह उपलब्ध रहें, वरन् उद्देश्य प्राप्ति का सर्वाधिक उपयुक्त उपाय है, मानव संसाधन । कल्पना कीजिए जब अनेक मस्तिष्क के विचार और अनेक हाथ मिलकर एक ही दिशा में अग्रसर होंगे तो लक्ष्य प्राप्ति कितनी सहज होगी । संस्था का उद्देश्य है, कि यह मिशन मानव श्रृंखला द्वारा ही पूर्ण हो ।

- जनवरी माह में बी.एड. - विशेष शिक्षा, प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रायोगिक कार्य हेतु **Learning wings: wings for early education** समावेशी विद्यालय में अवलोकन तथा शिक्षण कार्य का क्रियान्वन किया गया।

- इसी माह में बी.एड. एवं एम.एड. - विशेष शिक्षा, तृतीय सेमेस्टर की आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा का भी आयोजन किया गया।

दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय कार्यक्रम

- जनवरी माह में, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान - सीहोर, में सहायक उपकरण का वितरण किया गया, जिसमे माननीय, केंद्रीय मंत्री - डॉ वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय के छात्रों को TLM और व्हीलचेयर प्रदान किया ।

जनवरी से मार्च माह के मध्य दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला में कार्यरत विशेष व्यक्तियों द्वारा, भोपाल के विभिन्न स्थानों जैसे, मैरिज गार्डन्स एवं देवस्थान, से एकत्रित, विभिन्न प्रजाति के सुगन्धित पुष्पों से, ईको - फ्रेंडली, होली में प्रयोग आने वाले, कई तरह के सुन्दर रंगो का निर्माण किया गया, इस प्रोजेक्ट का नाम " पंखुडिया - खुशियों के रंग" दिया गया।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य जन-जन तक उच्च-गुणवत्ता के आर्गेनिक रंग पहुंचने के साथ ही , विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर करना भी है।

बधिरान्ध परियोजना

- जनवरी से मार्च 2025 माह तक बधिरान्ध परियोजना, जिला-भोपाल में आयोजित गतिविधियाँ :
  - 16 सेवा उपयोगकर्ताओं को पोषाहार वितरित किया गया ।
  - 6 सेवा उपयोगकर्ताओं का श्रवण परीक्षण किया गया ।
  - 8 सेवा उपयोगकर्ताओं की आँखों का परीक्षण ।
  - 6 सेवा उपयोगकर्ताओं को टीएलएम किट का वितरण ।
  - 11 सेवा उपयोगकर्ताओं को सहायक उपकरण प्रदान किये गए ।
  - 24 सेवा उपयोगकर्ताओं को दवा सहायता ।

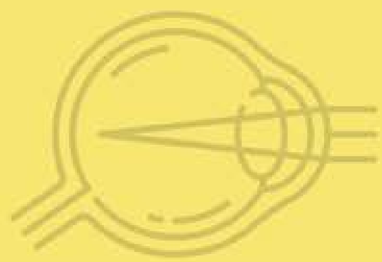

बधिरान्ध परियोजना

• जनवरी - मार्च माह तक बधिरान्ध परियोजना, जिला -सीहोर में आयोजित गतिविधियाँ:

- 29 सेवा उपयोगकर्ताओं को पोषाहार वितरण।
- 7 सेवा उपयोगकर्ताओं का श्रवण परीक्षण ।
- 6 सेवा उपयोगकर्ताओं को टीएलएम किट वितरण।
- 9 सेवा उपयोगकर्ताओं को सहायक उपकरण प्रदान किये गए ।
- 12 सेवा उपयोगकर्ताओं को दवा सहायता प्रदान की गई ।

• दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान -भोपाल, द्वारा 01 एवं 02 फरवरी 2025 को "शीघ्र हस्तक्षेप - सम्भावित नवाचार और अनुप्रयोग " विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक आयोजित की गई , एवं 02 फरवरी, 2025 को दिग्दर्शिका संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया ।

• दिनांक - 01 फरवरी, २०२५, को, राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन, कार्यक्रम का उद्घाटन, सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ ।

• दीप प्रज्जवलन, माननीया सुश्री अंकिता धाकरे, उप-सचिव, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया । सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत, पौधें प्रदान कर, श्रीमती उषा उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक - दिग्दर्शिका संस्थान, भोपाल द्वारा किया गया।

- श्री सुमित रॉय, संस्थापक , दिग्दर्शिका संस्थान - भोपाल, द्वारा संस्थान का विस्तृत इतिहास प्रस्तुत किया। 1989 मे स्थापित यह संस्थान - मध्य भारत ही नहीं, अपितु समस्त भारत में विशेष शिक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास का प्रमुख केन्द्र है। इसे भारतीय पुनर्वास परिषद - नई दिल्ली एवं बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय - भोपाल जैसी प्रमुख शैक्षणिक संस्थाओं से संबद्धता प्राप्त है।

- डॉ. जयंती पुजारी, डीन एवं प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंस (एआईआरएस), एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा , " शीघ्र हस्तक्षेप क्या है एवं आवश्कता" के विषय में चर्चा की गयी।
- भोपाल स्थित, प्रतिष्ठित बंसल अस्पताल में , विशेषज्ञ भ्रूण चिकित्सा सलाहकार - डॉ.स्मिता ढेंगले द्वारा भ्रूण की उन स्थितियों की पहचान करना और उनका इलाज करना जो दिव्यांगता का कारण बन सकती हैं, विषय पर चर्चा की।
- डॉ. जफर मीनाई, विकासात्मक बाल रोग विशेषज्ञ एवं संस्थापक, उम्मेद ईआई सेंटर ने सामूहिक प्रयास के माध्यम से दिव्यांगता की रोकथाम हेतु शीघ्र हस्तक्षेप विषय पर चर्चा की ।

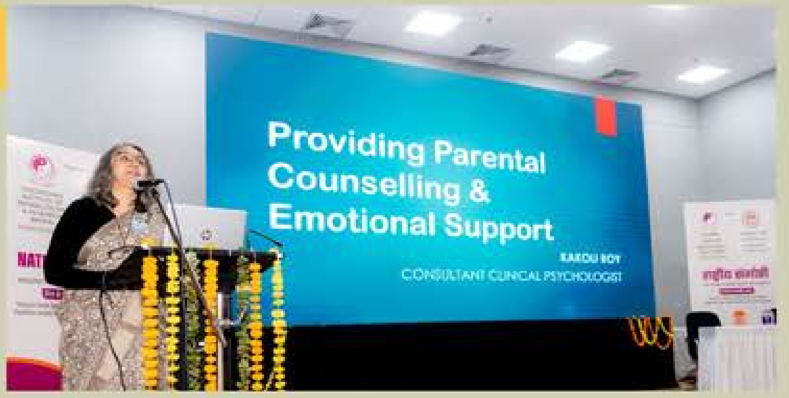

- डॉ. हिमांग्शु दास पूर्व निदेशक - एनआईईपीवीडी ने नवीन दृष्टिकोण, भविष्य की दिशाएँ और शीघ्र हस्तक्षेप में नीतिगत क्रियान्वयन पर चर्चा की।
- डॉ. प्रभाकर तिवारी सीएमएचओ भोपाल ने भोपाल जिले में व्यापक शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम का क्रियान्वयन - उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ के बारे में चर्चा की ।
- डॉ. वैभव दुबे मनोचिकित्सक, एसोसिएट प्रोफेसर पीपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल के द्वारा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों में दिव्यांगता को रोकने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की ।

- अंत में संगोष्ठी में यह निष्कर्ष निकला कि, दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता है, ताकि दिव्यांग व्यक्ति सर्वक्षेष्ठ प्रथाओं और उभरती चुनौतियों के साथ कदम मिलाकर चल सके। और शीघ्र हस्तक्षेप के लाभ से दिव्यांग बच्चो की जल्दी पहचान करना और उन्हे प्रभावी सहायता प्रदान करना जो न केवल दिव्यांग व्यक्ति के लिये नही बल्की पूरे परिवार के लिये फायदे मंद है ।

मध्यप्रदेश सरकार, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने केन्द्र सरकार की पहल पर दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य नगर भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 07/02/2025 को शुरू किया है। इसके तहत दिव्यांगजनों को सरकारी भवनों, नगर निगम कार्यालयों, पुस्तकालयों और आम पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया, ताकि वे सुगम्यता के मुद्दों की जमीनी हकीकत समझ सकें। इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय, भोपाल के 08 दिव्यांग बच्चों और युवाओं को भोपाल शहर के जय प्रकाश जिला अस्पताल, रेलवे स्टेशन, डाकघर, सब्जी मंडी आदि का भ्रमण कराया गया। इससे दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय विभाग, श्री सतीश कुमार सोलंकी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, इसके साथ ही, वे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहे।

• फरवरी माह में बी. एड. एवं एम. एड. विशेष शिक्षा तृतीय सेमेस्टर की बाह्य प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई।

• बी.एड. एवं एम. एड. विशेष शिक्षा तृतीय सेमेस्टर की टी. एल. एम. प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि, श्रीमती काकोली राय क्लिनिकल / बाल मनोवैज्ञानिक एवं श्रीमती अमिता जैन - विशेष शिक्षक एवं कॉलेज की कार्यकारी निंदेशक, श्रीमती उषा उपाध्याय उपस्थित थे। इनके समक्ष विद्यार्थीयों द्वारा विशेष बच्चो के लिये उपयोग मे आने वाली शिक्षण अधिगम सामग्री (टी. एल. एम.) प्रदर्शनी आयोजित की गई।

• फरवरी माह में, बी. एड. एवं एम.एड., विशेष शिक्षा - प्रथम सेमेस्टर की आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा एवं बाह्य प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई। जिसमे, आन्तरिक परीक्षक - डॉ. सरिता गर्ग, प्राचार्य एवं बाह्य परीक्षक - श्री कलीम सिद्दकी, सहायक प्राध्यापक द्वारा सभी विधार्थीयों की बाह्य प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न की गई । इन परीक्षाओं में सभी छात्र उपस्थित थे ।

- दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान -भोपाल, भोज मुक्त विश्वविद्यालय के, बी. एड., विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम का अध्ययन केन्द्र है। जिसके अंतर्गत बी.एड. , विशेष शिक्षा - प्रथम वर्ष की, प्रथम सम्पर्क कक्षाऐं, दिनांक 20.02.2025 से 24.03.2025 तक आयोजित की गई।

- मार्च माह में दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कॉलेज -भोपाल के सत्र 2024 - 2026 के बी. एड., विशेष शिक्षा, द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को सूक्ष्म शिक्षण के कौशलों का डॉ सरिता गर्ग द्वारा अभ्यास कराया गया।

दिनांक- 14.02.2025 को दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान-भोपाल द्वारा पिकनिक का आयोजन, मयूर पार्क में किया गया। दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कालेज, विशेष विद्यालय एवं संरक्षित कार्यशाला के विशेष बच्चे / व्यक्ति, अभिभावक तथा कर्मचारी इस पिकनिक मे शामिल हुए। पिकनिक मे अनेक गतिविधियां करायी गई । जिसमे म्यूजिकल चेयर, क्रिकेट, टारगेट एवं जादूगर का जादू शामिल था। इसके साथ ही, सभी ने स्वादिष्ट नाश्ता एवं भोजन का आनंद लिया।

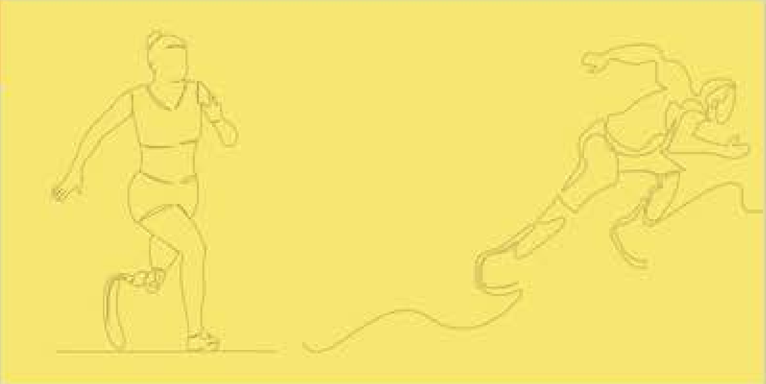

- दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान -भोपाल के विशेष विद्यालय एवं संरक्षित कार्यशाला के विशेष बच्चो / व्यक्तियों ने “**उल्लास - 2025**” दिव्यांग बच्चों की राज्य स्तरीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता मे भाग लिया। प्रतिभागियो ने मेडल प्राप्त किये।

- दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय,में होली उत्सव का कार्यक्रम किया गया। जिसमें विशेष बच्चों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लियाउत्सव मे सभी दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला में निर्मित,ईको-फ्रेंडली,आर्गेनिक - “पंखुड़िया -खुशियों के रंग” के गुलाल एवं रंगों से होली खेली।

Digdarshika Institute of Rehabilitation & Research, Bhopal

Digdarshika Institute of Rehabilitation and Research, Bhopal established in 1989. It is a pioneer institute in the field of Special Education and Disability Rehabilitation. It is approved training centre from the Rehabilitation Council of India (RCI), New Delhi. It is affiliated to National Board of Education and Rehabilitation-National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (NBER-NIEPMD), Chennai and Barkatullah University, Bhopal. Since 1992, Digdarshika started major training programs and widespread activities for Special Education and Disability Rehabilitation Services.

OUR COURSES AND SERVICES

Courses offered	Services offered
• D.Ed. - Spl. Ed. (IDD)	• Early Intervention and School Readiness Age Group - 0 to 10 Year
• B.Ed. - Spl. Ed. (ID)	• Special School - Age Group - 10 to 14 Year Educational Medical Psychological Occupational Therapy Physiotherapy Speech Therapy
• M.Ed. - Spl. Ed. (ID)	• Vocational Training - Age Group - 14 to 18 Year
• Short Term Courses	• Shelter Workshop - 18^{+} Age
Future Plans	• Guidance and Counseling
• M.Phil. - Clinical Psychology	• CBR and Community Inclusion
• M.Phil. - Rehab Psychology	• Parent Training Program and Teacher Training Program

DIGDARSHIKA

INSTITUTE OF REHABILITATION & RESEARCH

10 Rohit Nagar Phase-1, Bawadiyakalan, Bhopal (M.P.)- 462039
Phone No. 0755-2562611 E-mail: digdarshikabhopal@gmail.com
website: www.digdarshika.com

अंक - 2
अप्रैल-जून , 2025

दिग्दर्शिका

पुनर्वास एवं अनुसन्धान संस्थान

भोपाल, मध्य प्रदेश

www.digdarshika.com

दिग्दर्शिका : परिचय

दिग्दर्शिका, अंधकार से प्रकाश की ओर, मानसिक अस्वस्थता से स्वस्थता की ओर जाने वाली, अनवरत, प्रगतिशील, पथ प्रदर्शिका, रॉय दम्पति की कल्पनाओं और सद्इच्छाओं का साकार रूप है ।

दिग्दर्शिका की स्थापना फरवरी 1989 में हुई। दिग्दर्शिका विगत 35 वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य एवं बौद्धिक दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही है । जीवन का दर्शन, इस दिग्दर्शिका के काले - सफेद अर्ध गोलाकार आकृति यिन - यांग की अवधारणा पर आधारित है, जिसे चीन की पौराणिक किताबों से, अपने प्रतीक के रूप में है । यह प्रतीक दर्शाता हैं कि, प्रकाश और अंधकार सदैव के लिये नहीं रहते, घोर अंधकार के गर्भ में एक नन्हा प्रकाश पुंज विद्यमान रहता है, ठीक इसके विपरीत चौंधिया देने वाले प्रकाश के गर्भ में अंधकार एकत्र होता है। इनके बीच निरंतर तारतम्यता बनी रहती है, जो एक दूसरे के अस्तित्व और महत्व को बनाए रखते हैं । व्यक्ति जिनमें मानसिक अक्षमता, अस्वस्थता एवं अन्य संबंधित अवस्थाएँ हैं, उनके लिए बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करना । दिग्दर्शिका का मानना है कि किसी भी विस्तृत उद्देश्य को पूरा करने के लिये यह आवश्यक नही है, कि हम स्वयं ही सभी जगह उपलब्ध रहें, वरन् उद्देश्य प्राप्ति का सर्वाधिक उपयुक्त उपाय है, मानव संसाधन । कल्पना कीजिए जब अनेक मस्तिष्क के विचार और अनेक हाथ मिलकर एक ही दिशा में अग्रसर होंगे तो लक्ष्य प्राप्ति कितनी सहज होगी । संस्था का उद्देश्य है, कि यह मिशन मानव श्रृंखला द्वारा ही पूर्ण हो ।

डॉ. मेजर अनुराधा स्मृति पुरस्कार

• दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल द्वारा 01 एवं 02 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में घोषणा की गई कि दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को उनकी योग्यता, अनुभव, कार्यशैली, नवाचार पर उनके समर्पण भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डॉ. मेजर अनुराधा स्मृति पुरस्कार वर्ष 2026 से आरंभ किया जायेगा। जिसमें इस वर्ष (2025) बौद्धिक अक्षमता (ID) के क्षेत्र में म.प्र. में कार्यरत विशेष शिक्षकों के आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाएँगे । इस माह इस पुरुस्कार की रूपरेखा पर परिचर्चा की गयी !

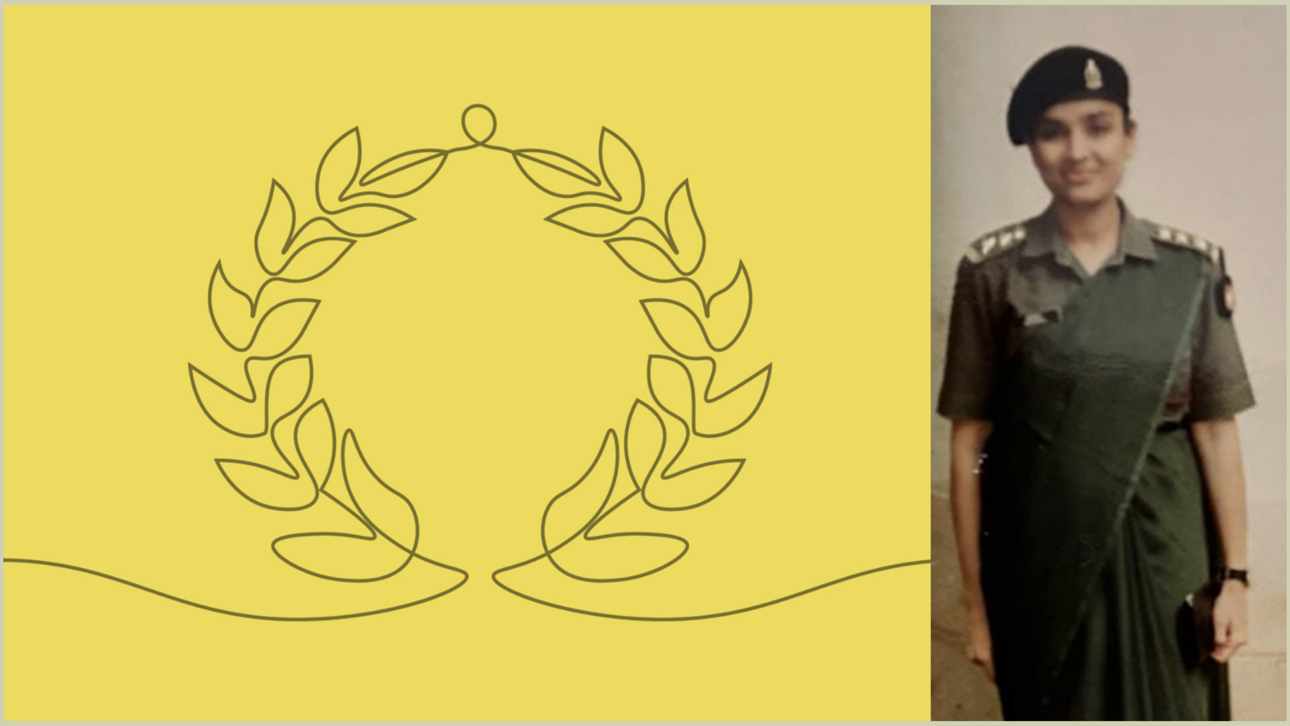

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कालेज

- डी. एड., विशेष शिक्षा के सत्र 2024 - 26 के प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023-25, द्वितीय वर्ष की आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा दिनांक 02 से 07 अप्रैल 2025 तक आयोजित की गई।

- डी. एड. विशेष शिक्षा सत्र 2024 - 26 के प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023-25, द्वितीय वर्ष की आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा की आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 01 से 02 मई 2025 को संपन्न कराई गई।

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कालेज

- डी. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024 - 26, प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023 - 25, द्वितीय वर्ष की बह्य प्रायोगिक परीक्षा, दिनांक 05 से 10 जून 2025 तक आयोजित की गई।

- बी.एड. विशेष शिक्षा, सत्र 2023 - 25, चतुर्थ सेमेस्टर की 09 से 10 जून 2025 तक आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा आयोजित की गई।

- दिनांक 20 से 27 जून 2025 को प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा एवं दिनांक 20 से 28 जून 2025 को द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा संपन्न हुई। इसी के साथ डी. एड., विशेष शिक्षा का सत्र 2023-25 पूर्ण हुआ ।

- दिनांक 11 से 16 जून 2025 को चतुर्थ सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा संपन्न हुई। इसी के साथ सत्र 2023–25 बी.एड. विशेष शिक्षा का सत्र पूर्ण हुआ ।

- दिग्दर्शिका द्वारा संचालित म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र 1720 में बी. एड. विशेष शिक्षा प्रथम वर्ष सत्र 2024-27 की प्रथम संपर्क कक्षाएं, दिनांक 11 जून से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित की गई।

• योग दिवस, 21 जून, 2025 के अवसर पर दिग्दर्शिका के समस्त स्टाफ, प्रशिक्षणार्थीयों एवं विशेष बच्चों / व्यक्तियों द्वारा सुश्री रेनु सबरवाल के निर्देशन मे योग कराया गया ।

मंथन कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न

नागदा जं. (निप्र)। बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगजनों के लिए डिजिटल नवाचार पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला मंथन का मंगलवार को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में भव्य समापन हुआ।

इस कार्यशाला का आयोजन परिवार, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एनआईसीएसआई तथा एमएएनयूयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कार्यशाला में देशभर के 27 राज्यों से आए 72 विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें विशेष शिक्षक, चिकित्सक, नीति निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ और अभिभावक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे ।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा पूर्व दिवस की समूह चर्चाओं के निष्कर्षों की प्रस्तुति से हुई। प्रत्येक समूह ने चुनौतीपूर्ण व्यवहार, प्रारंभिक हस्तक्षेप, यौन शिक्षा, आत्म–अधिकारिता, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवसायिक प्रशिक्षण और परिवार सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित डिजिटल सामग्री विकसित करने हेतु गहन सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने साझा किया कि किस प्रकार एआर/वीआर और 2डी एनिमेशन तकनीकों का उपयोग कर दिव्यांगजनों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और व्यवहारिक बनाया जा सकता है।

समापन समारोह में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर निदेशक डॉ. संतोष कुमार पांडे, परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पंकज मारू, एवं एमएएनयूयू के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के डीन एवं परियोजना प्रमुख प्रो. अब्दुल वहीद के करकमलों द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और एमएएनयूयू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। दिव्यांग सारथी परियोजना को देश के कम से कम 15 लाख बौद्धिक दिव्यांगजनों तक पहुंचाने का संकल्प पारित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. पंकज मारू, राष्ट्रीय अध्यक्ष, परिवार ने कहा कि मंथन अब केवल एक कार्यशाला नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय स्तर का आंदोलन बन चुका है जो तकनीक को संवेदना के साथ जोड़कर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। कार्यशाला का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

- बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगजनों के लिए "डिजिटल नवाचार" पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, मंथन दिनांक 23 से 24 जून 2025 को हैदराबाद में मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। कार्यशाला में देशभर की 27 राज्यों से आए 72 विशेषज्ञों ने भाग लिया इस कार्यशाला में दिग्दर्शिका की कार्यकारी निदेशक श्रीमती उषा उपाध्याय उपस्थित रहीं ।

दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय कार्यक्रम

• सभी विशेष विद्यार्थियों ने दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कलरव (कल्चरल इवेंट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन) रविंद्र भवन में अपनी अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें मिस्टी आमले को एकल नृत्य में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

• विश्व पर्यावरण दिवस - 05 जून, 2025 के उपलक्ष्य पर सभी विशेष विद्यार्थियों द्वारा पौधरोपण किया गया ।

• सभी विशेष विद्यार्थियों एवं स्टाफ को दिनांक 25 जून, 2025 को लायन्स क्लब द्वारा आशिमा मॉल में "सितारे जमीं "पर फिल्म दिखाई गई सभी बच्चों ने बहुत उत्साह से ये फिल्म को देखा और एन्जॉय किया।

दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला

• विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अप्रैल से जून माह 2025 के मध्य दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला में कार्यरत विशेष व्यक्तियों द्वारा मृगनयनी एंपोरियम के पेपर बैग तैयार किए गए एवं पेपर दोना बनाने का कार्य संपन्न किया गया।

बधिरान्ध परियोजना भोपाल / सीहोर

• अप्रैल से जून माह 2025 तक भोपाल जिले के चिन्हित BPL कार्डधारकों की गतिविधियां-
• 13 सेवा लाभार्थीयों को प्रति माह पोषक आहार वितरित किया गया ।
• 12 सेवा लाभार्थीयों को प्रति माह दवाई प्रदान की गई।
• 30 सेवा लाभार्थीयों (जो केन्द्र पर नही आ सकते) उन्हे प्रति माह उनके घरों में फिजियोथैरेपी एवं विशेष शिक्षा की सेवाएं प्रदान की गई।
15 सेवा लाभार्थीयों को प्रतिदिन केंद्र में फिजियोथैरेपी एवं विशेष शिक्षा की सेवाएं प्रदान की गई।
• विशेष शिक्षक एवं फिल्ड कार्यकर्ता द्वारा भोपाल की 20 आंगनबाड़ियों का भ्रमण (visit) किया गया एवं लाभार्थी चिन्हित किये गयें।

- दिनांक 23 से 25 जून 2025 तक सुश्री जिगना जोशी (प्रोजेक्ट मैनेजर, ब्लाइंड पीपल एसोसियेशन) द्वारा मॉनिटरिंग सपोर्ट विजिट की गई।

ई-पत्रिका

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दिग्दर्शिका

पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान

भोपाल, मध्य प्रदेश

(जुलाई - सितम्बर, 2025) : अंक -3

दिग्दर्शिका : परिचय

शिक्षा केवल ज्ञान का प्रसार ही नहीं, बल्कि विद्यार्थीयों के आत्मविश्वास, संवेदना और आत्मनिर्भरता का बीज बोना है। इसी प्रेरणा के साथ दिग्दर्शिका; ट्रेनिंग कॉलेज, विशेष विद्यालय एवं संरक्षित कार्यशाला ने समर्पण, स्नेह एवं नैतिकता के मूल्यों पर आधारित एक ऐसा शैक्षणिक परिवेश निर्मित किया है, जहाँ "सीखना एक अनुभव बन जाता है।" ट्रेनिंग कॉलेज विशेष शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थीयों को आधुनिक दृष्टिकोण एवं मानवीय संवेदना के साथ तैयार कर रहा है, वहीं विशेष विद्यालय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को क्षमतानुसार शिक्षा, आत्मविश्वास, कला और संस्कारों से समृद्ध बना रहा है, साथ ही संरक्षित कार्यशाला के विशेष व्यक्ति आत्मनिर्भरता के मार्ग मे आगे बढ़ रहे है।

जुलाई से सितंबर 2025 की यह अवधि ट्रेनिंग कॉलेज एवं विशेष विद्यालय के लिए "गतिविधियों, उपलब्धियों और आनंदमय उत्सव के आयोजनों से परिपूर्ण" रही। परीक्षाओं, संपर्क कक्षाओं, शिक्षक दिवस, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश उत्सव, हिंदी दिवस और सांकेतिक भाषा दिवस जैसे आयोजनों ने संस्थान को न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, प्रशिक्षण एवं संस्थान के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास को भी नई दिशा दी। जहाँ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया उत्सव का रूप ले लेती है, जहाँ हर विशेष बच्चा और हर विशेष शिक्षक मिलकर संवेदनशील समाज की नींव रखते हैं।

"हमारा उद्देश्य"

विशेष शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं नवाचार को प्रोत्साहन देना।
विशेष बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु रचनात्मक एवं भावनात्मक वातावरण तैयार करना।
समाज में संवेदनशीलता, सहयोग एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।

"संपादकीय संदेश"

"हर मन में छिपी है प्रतिभा, हर आँखों में एक सपना
बस सही मार्गदर्शन और स्नेह ही उस सपने को वास्तविक बनाता है।"
'दिग्दर्शिका परिवार, भोपाल'

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कॉलेज : शैक्षणिक गतिविधियाँ

-बी. एड. एवं एम. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024-26, द्वितीय सेमेस्टर की आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षाएँ दिनांक 01 से 03 जुलाई 2025 तक आयोजित की गई।

-बी. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024 - 26, द्वितीय सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा दिनांक 05 से 14 जुलाई 2025 तक आयोजित की गई।

-बी.एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024-26 की बाह्य प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 14 जुलाई 2025 को आयोजित गई।

-एम.एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024-26 द्वितीय सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा सफलतापूर्वक दिनांक 04 से 11 जुलाई 2025 एवं बाह्य प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 08 जुलाई 2025 को संपन्न हुई।

-एम.एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2023 - 25, चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए लघु शोध प्रबंध कार्य का प्रस्तुतिकरण एवं मूल्यांकन दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2025 को किया गया।

- ट्रेनिंग कॉलेज में शिक्षक दिवस समारोह दिनांक 06 सितंबर 2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों का अभिनंदन पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आभार व्यक्त किया।

- **बी. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2025 - 27, प्रथम सेमेस्टर** दिनांक 08 सितंबर 2025 तथा **एम. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2025-27, प्रथम सेमेस्टर** दिनांक 16 सितंबर 2025 को विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। श्रीमती उषा उपाध्याय मैडम ने ट्रेनिंग कॉलेज का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। डॉ. सरिता गर्ग मैडम ने विद्यार्थियों को बी.एड. एवं एम.एड. विशेष शिक्षा कोर्स की संरचना, उद्देश्यों एवं आगामी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपना परिचय देकर पारस्परिक संवाद की शुरुआत की और नई शैक्षणिक यात्रा के प्रति उत्साह प्रदर्शित किया।

- जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि ट्रेनिंग कॉलेज के लिए शैक्षणिक, प्रायोगिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत सफल एवं सार्थक रही। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए ।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

बी.एड. एवं एम.एड. विशेष शिक्षा सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए 30 जुलाई 2025 को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस खास अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर ख़ुशी, आँसू और अपनी अनगिनत यादों के साथ, सीखने, करुणा और विकास की यात्रा का उत्सव धूमधाम से मनाया। यह दिन सभी के लिए भावनाओं और प्रेरणा से भरा यादगार पल बन गया।

पत्राचार पाठ्यक्रम की गतिविधियाँ

-मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र - 1720 में बी. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2023-26 एवं 2024-27, प्रथम वर्ष की द्वितीय संपर्क कक्षाएँ दिनांक 10 अगस्त से 09 सितंबर 2025 तक आयोजित की गई। इन कक्षाओं में विषयवार विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया ।

-म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के B.Ed., SEDE (ID), सत्र 2023-26 एवं 2024 - 27, प्रथम वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 04 सितंबर 2025 को आयोजित की गई ।

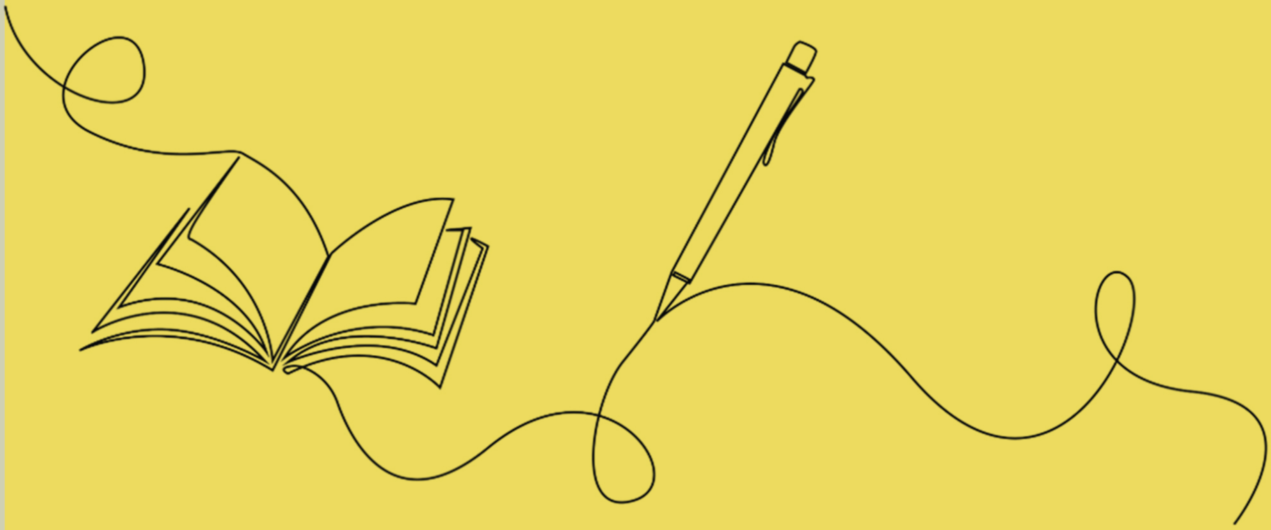

दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय : शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

-रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार, सभी विशेष बच्चों ने दिनांक 09 अगस्त 2025 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। सभी विशेष बच्चों ने एक-दूसरे को राखी बाँधी और मिठाई खिलाकर इस त्यौहार की खुशियाँ साझा कीं ।

-79वाँ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, दिनांक 15 अगस्त, 2025 को विशेष बच्चों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा एक देशभक्ति रैली निकाली गई, जिसमें सभी ने "जय हिंद" के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया ।

-जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्ष और उत्सव के साथ मनाया गया। सभी विशेष बच्चे राधा- कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा में सजे नजर आए। कार्यक्रम में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और खूब आनंद लिया ।

-अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए, 22 अगस्त, 2025 को विशेष बच्चों ने मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमाएँ तैयार कीं। बच्चों ने अत्यंत सुंदर और आकर्षक प्रतिमाएँ बनाई, जिससे उनका कलात्मक कौशल झलक उठा ।

-विशेष विद्यालय के परिसर में दिनांक 27 अगस्त 2025 को गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की गई ।सभी स्टाफ एवं विशेष बच्चों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ इस कार्यक्रम में सहभागिता की ।

-सभी विशेष बच्चों ने गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर , दिनांक 02 सितंबर 2025, को गणेश विसर्जन समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर बच्चों ने भक्ति गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया ।

-शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन, दिनांक 04 सितंबर 2025 को हुआ। विशेष बच्चों ने अपने शिक्षकों का तिलक लगाकर और ग्रीटिंग कार्ड्स भेंट कर सम्मान किया। शिक्षकों ने बच्चों से चित्रकला गतिविधियाँ करवाईं, जिससे बच्चों की सृजनात्मकता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई ।

-हिंदी दिवस, दिनांक 15 सितंबर 2025 को मनाया गया। शिक्षकों ने बच्चों को हिंदी भाषा के महत्व और इस दिवस के उद्देश्य से अवगत कराया। बच्चों ने कविताओं और लघु प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

-सांकेतिक भाषा दिवस, दिनांक 23 सितंबर 2025 को मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को सांकेतिक भाषा के महत्व के बारे में बताया और कुछ बुनियादी संकेत सिखाए, जिससे उनमें संवाद कौशल के प्रति जागरूकता बढ़ी।

-विशेष विद्यालय में जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि उल्लास सीख और रचनात्मकता से परिपूर्ण रही । विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों ने विशेष बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार की एकजुटता और समर्पण से प्रत्येक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला :आत्मनिर्भरता एवं रचनात्मकता का संगम

-विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संरक्षित कार्यशाला में जुलाई से सितंबर, 2025 में कई गतिविधियाँ संचालित की गईं। इस दौरान कार्यशाला में कार्यरत विशेष व्यक्तियो ने पेपर बैग एवं पेपर दोना बनाने का काम किया। साथ ही सभी विशेष व्यक्तियों एवं कार्यशाला के स्टाफ ने मिलकर दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर जलाये जाने वाले दीयें को सजाने और रंग भरने के साथ कॉर्पोरेट गिफ्टिंग के ऑर्डर तैयार किये गए ।

Digdarshika Institute of Rehabilitation & Research, Bhopal

Digdarshika Institute of Rehabilitation and Research, Bhopal established in 1989. It is a pioneer institute in the field of Special Education and Disability Rehabilitation. It is approved training centre from the Rehabilitation Council of India (RCI), New Delhi. It is affiliated to National Board of Education and Rehabilitation-National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (NBER-NIEPMD), Chennai and Barkatullah University, Bhopal. Since 1992, Digdarshika started major training programs and widespread activities for Special Education and Disability Rehabilitation Services.

OUR COURSES AND SERVICES

Courses offered	Services offered
• D.Ed. - Spl. Ed. (IDD)	• Early Intervention and School Readiness Age Group - 0 to 10 Year
• B.Ed. - Spl. Ed. (ID)	• Special School - Age Group - 10 to 14 Year Educational Medical Psychological Occupational Therapy Physiotherapy Speech Therapy
• M.Ed. - Spl. Ed. (ID)	• Vocational Training - Age Group - 14 to 18 Year
• Short Term Courses	• Shelter Workshop - 18+ Age
Future Plans	• Guidance and Counseling
• M.Phil. - Clinical Psychology	• CBR and Community Inclusion
• M.Phil. - Rehab Psychology	• Parent Training Program and Teacher Training Program

DIGDARSHIKA

INSTITUTE OF REHABILITATION & RESEARCH

10 Rohit Nagar Phase-1, Bawadiyakalan, Bhopal (M.P.)- 462039
Phone No. 0755-2562611 E-mail: digdarshikabhopal@gmail.com
website: www.digdarshika.com

दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान,

भोपाल, मध्यप्रदेश

ई-पत्रिका

अक्टूबर - दिसंबर, 2025 : अंक - 4

“समानता, समावेशन और सशक्तिकरण की ओर एक सार्थक कदम - अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, 3 दिसम्बर”

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प है। यह दिवस हमें यह समझने का अवसर देता है कि दिव्यांगता कोई सीमा नहीं, बल्कि मानवीय विविधता की शक्ति है, जिसे सही अवसर, संवेदनशील दृष्टिकोण और समर्पित शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाया जा सकता है।

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कॉलेज निरंतर समावेशी शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात करते हुए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा भावी विशेष शिक्षकों को व्यावहारिक, नैतिक और मानवीय दृष्टिकोण से प्रशिक्षित करने हेतु प्रतिबद्ध रहा है। यहाँ शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर संवेदना, सहयोग और सशक्तिकरण का माध्यम बनती है

यह ई-पत्रिका (अक्टूबर - दिसंबर 2025) इसी प्रतिबद्धता का जीवंत दस्तावेज है, जिसमें शैक्षिक गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रायोगिक अनुभवों एवं सह-पाठ्यक्रमीय आयोजनों के माध्यम से समावेशी शिक्षा की दिशा में किए गए प्रयासों का सार प्रस्तुत किया गया है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चे विशेष नहीं, समान अधिकारों के साथ विशेष संभावनाओं के वाहक हैं।"

ट्रेनिंग कॉलेज शैक्षणिक गतिविधियाँ

-एम.एड., विशेष शिक्षा, तृतीय सेमेस्टर - सत्र 2024 - 26 के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षण, पाठ योजना, पाठ अवलोकन एवं इंटर्नशिप का कार्य दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय के विशेष बच्चों के साथ तथा बी.एड., विशेष शिक्षा, तृतीय सेमेस्टर - सत्र 2024 - 26 के विद्यार्थियों के सहयोग से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। यह कार्य शिक्षक प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य अंग है।

- एम. एड. विशेष शिक्षा, सत्र 2025 - 27 प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा बी. एड. प्रथम वर्ष सत्र 2025 - 27 एवं तृतीय वर्ष सत्र 2024 - 26 के विद्यार्थियों के समक्ष शिक्षण अभ्यास का आयोजन दिनांक 3 से 20 नवंबर 2025 तक किया गया।

- इसी अवधि में बी.एड., प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025 - 27 के विद्यार्थियों के मध्य "Awareness of Disabilities" विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । प्रतियोगिता का निर्णय एम.एड., प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025 - 27 के विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जिसमें-

- प्रथम स्थान : शिवानी गर्ग (Slogan - ऑटिज़्म को ठीक करने की ज़रूरत नहीं है, दुनिया की सोच बदलने की ज़रूरत है)
  द्वितीय स्थान : (Slogan - अक्षमता कोई सीमा नहीं है, बल्कि एक अलग क्षमता है ।)
  तृतीय स्थान : आदेश चौधरी (Slogan - दिव्यांगता से हम कमज़ोर नहीं हैं मजबूर नहीं हैं)
  प्राप्त हुआ ।

- बी. एड., विशेष शिक्षा, प्रथम सेमेस्टर - सत्र 2025 - 27 के 25 विद्यार्थियों द्वारा 25 विशेष विद्यार्थियों की केस हिस्ट्री शिक्षक एवं माता पिता द्वारा ली गई उसके आधार पर प्रत्येक विशेष बच्चों की व्यक्तिगत शैक्षणिक योजना (IEP) तैयार कर कक्षा में प्रत्येक पांच विद्यार्थियों द्वारा विशेष शिक्षकों के समक्ष (दिनांक 03 से 21 नवंबर 2025) तक प्रस्तुत किया गया ।

- बी. एड. विशेष शिक्षा, प्रथम सेमेस्टर - सत्र 2025 - 27 के विद्यार्थियों ने दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय तथा शासकीय मानसिक रूप से अविकसित बालक / बालिकाओं के आवासीय विद्यालय, भोपाल (म.प्र.) का शैक्षिक भ्रमण कर दिनांक 12 से 13 नवंबर 2025 को विशेष बच्चों का अवलोकन किया। यह गतिविधि विद्यार्थियों के प्रायोगिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण भाग रही।

- बी.एड. एवं एम.एड. सत्र 2025 - 27 प्रथम सेमेस्टर एवं सत्र 2024 - 26 तृतीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों ने समग्र शिक्षा अभियान (सेकेंडरी एजुकेशन), जिला भोपाल द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) के अवसर में आयोजित दिव्यांगजन हेतु सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सामर्थ्य प्रदर्शन प्रतियोगिता में स्वयंसेवक (Volunteer) के रूप में सक्रिय सहभागिता प्रदान की।

- यह कार्यक्रम सुभाष एक्सीलेंस स्कूल, शिवाजी नगर, भोपाल में दिनांक 20 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने आयोजन के संचालन, प्रतिभागियों के सहयोग, मार्गदर्शन एवं व्यवस्थापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  इस स्वयंसेवी अनुभव से विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की भावना का विकास हुआ, जो विशेष शिक्षक प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

पत्राचार पाठ्यक्रम की गतिविधियाँ

- मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र 1720 में बी. एड. विशेष शिक्षा सत्र 2023 - 26, प्रथम वर्ष के 33 विद्यार्थियों की सैद्धांतिक परीक्षाएँ सफलतापूर्वक दिनांक 11 सितंबर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक संपन्न हुईं।

- मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र 1720 में बी. एड. विशेष शिक्षा सत्र 2024 - 27, प्रथम वर्ष के 33 विद्यार्थियों की सैद्धांतिक परीक्षाएँ दिनांक 01 दिसंबर से 23 दिसंबर 2025 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

विशेष विद्यालय : शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

- बी.एड. विशेष शिक्षा, सत्र 2025 - 27 प्रथम सेमेस्टर के 25 विद्यार्थियों द्वारा विशेष बच्चों की विशेष शिक्षकों से केस हिस्ट्री प्राप्त की गई तथा उनकी क्षमता एवं आवश्यकता अनुसार प्राथमिकता के आधार पर व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम (IEP) तैयार किया गया ।

बाल दिवस आयोजन (14 नवंबर 2025)

- बाल दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 14 नवंबर 2025 को सभी विशेष विद्यार्थियों को भ्रमण हेतु बाल उद्यान ले जाया गया। इस अवसर पर संस्था के समस्त स्टाफ सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह एवं आनंद के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया, जिससे उनका आत्मविश्वास, सहभागिता एवं प्रसन्नता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई ।

पर्पल फेयर 2025 : अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस विशेष (3 दिसंबर 2025)

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयकर विभाग द्वारा आयोजित "**पर्पल फेयर (Purple Fair) - 2025** " में दिनांक 03 दिसंबर 2025 को दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय के विशेष विद्यार्थियों एवं दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला से जुड़े विशेष व्यक्तियों को आयकर भवन ले जाया गया, जिसमें कुल 19 विद्यार्थियों ने सहभागिता की ।

इस कार्यक्रम में दिग्दर्शिका सहित विभिन्न गैर सरकारी सगंठन (NGOs) से आए दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग द्वारा यह कार्यक्रम देश के 10 प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान महानिदेशक (आयकर) सुश्री सृजनी मोहंती ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में डी. जी. (इन्वेस्टिगेशन) श्री विजय कुमार पांडा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आयकर अधिकारी श्री आशीष मोदगिल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय के विद्यार्थी सुमंत काले को उनकी खेलकूद उपलब्धि के लिए आयकर विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही दिग्दर्शिका की निदेशक श्रीमती उषा उपाध्याय ने सभी विशेष विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

कार्यक्रम के दौरान दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला के स्टाफ द्वारा विशेष बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादनों का स्टॉल भी लगाया गया, जिसे उपस्थितजनों द्वारा सराहा गया।

क्रिसमस उत्सव (25 दिसंबर 2025)

प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जाता है। इस अवसर पर सभी विशेष विद्यार्थियों ने विशेष विद्यालय के प्रांगण में क्रिसमस ट्री सजाकर उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया ।
संस्था के स्टाफ सदस्यों द्वारा सभी विद्यार्थियों को केक वितरित किया गया, जिससे बच्चों में अत्यधिक उत्साह एवं आनंद का वातावरण देखने को मिला। यह आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सहभागिता का प्रतीक रहा।

संरक्षित कार्यशाला : आत्मनिर्भरता एवं रचनात्मकता का संगम

विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आर्थिक से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संरक्षित कार्यशाला में अक्टूबर से दिसम्बर 2025 के में कई गतिविधियाँ संचालित की गई। इस दौरान कार्यशाला में कार्यरत विशेष व्यक्तियो द्वारा टेराकोटा के सजावटी दिये तैयार किये गए एवं इनके गिफ्ट डेम्पर विक्रय एवं प्रर्दशनी हेतु विभिन्न स्थानो पर स्टॉल लगाये गये साथ ही पेपर बैग एवं पेपर दोना बनाने का काम उत्साह के साथ किया ।